भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई

ICAR-Central Institute of Fisheries Education, Mumbai

(Deemed-to-be-University Under Section 3 of the UGC Act, 1956)

विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के साथ आईसीएआर–केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने भारत का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया

आईसीएआर–केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई ने भारत का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस अत्यंत उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। **डॉ. एन. पी. साहू**, निदेशक, केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और इस अवसर पर आयोजित समारोह में उपस्थित प्रभागाध्यक्षों, प्रशासन एवं वित्त अधिकारियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा उनके परिवारजनों को संबोधित किया। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों को नमन करते हुए डॉ. साहू ने भारत की विकास यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों को रेखांकित किया तथा आत्मनिर्भर, समृद्ध और **विकसित भारत 2047** के निर्माण पर महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पोषण सुरक्षा, रोजगार सृजन, ग्रामीण आजीविका, निर्यात और **ब्लू इकोनॉमी** में योगदान के माध्यम से मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र की इस राष्ट्रीय दृष्टि को साकार करने में रणनीतिक भूमिका है। वर्तमान राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में प्रौद्योगिकी-आधारित जलीय कृषि, सुदृढ़ मूल्य श्रृंखला, सतत मत्स्य प्रबंधन तथा समुद्री खाद्य पदार्थों के निर्यात को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। डॉ. साहू ने रेखांकित किया कि मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र का भविष्य केवल उत्पादन बढ़ाने पर निर्भर नहीं करेगा, बल्कि **नवाचार, उद्यमिता, प्रौद्योगिकी अपनाने और मूल्य संवर्धन** पर भी निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि **एक्वाप्रेन्योरशिप** और मत्स्य क्षेत्र से जुड़े स्टार्ट-अप को बढ़ावा देना एक गेम चेंजर साबित हो सकता है, क्योंकि इससे अनुसंधान एवं नवाचारों को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य समाधानों में परिवर्तित करने, रोजगार सृजित करने तथा युवाओं और ग्रामीण समुदायों के लिए नए अवसर पैदा करने में मदद मिलेगी।

डॉ. साहू ने विशेष रूप से विद्यार्थियों और युवा पेशेवरों को केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि **रोजगार सृजक और एक्वाप्रेन्योर** बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने शिक्षा, अनुसंधान, उद्योग, स्टार्ट-अप, निवेशकों, मत्स्य किसानों और सरकारी एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय और सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र-विशिष्ट प्रौद्योगिकियों का विकास कर उन्हें प्रयोगशाला से खेत/मैदान और बाजार तक पहुंचाना वर्ष 2047 तक एक प्रतिस्पर्धी, सतत और समावेशी मत्स्य क्षेत्र के निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

उन्होंने **"शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं छात्र उद्यमिता"** को सुदृढ़ करने के लिए **केंद्रीय मत्स्य शिक्षा संस्थान** की प्रतिबद्धता

को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने अनुसंधान विचारों को व्यावहारिक प्रौद्योगिकियों, उद्यमों और स्टार्ट-अप में परिवर्तित करने के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। इस प्रकार की पहल मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र की उभरती चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम कुशल, नवाचारी और उद्यमशील कार्यबल के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगी। निदेशक ने संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक प्रभाव के क्षेत्र में उत्कृष्टता के माध्यम से **विकसित भारत 2047** के राष्ट्रीय लक्ष्य में सामूहिक रूप से योगदान दें। उन्होंने आश्वस्त किया कि सीआईएफई देश की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करता रहेगा। उन्होंने सीआईएफई परिवार को उसकी निरंतर प्रतिबद्धता और उपलब्धियों के लिए बधाई भी दी। समारोह का समापन आईसीएआर-सीआईएफई के कर्मचारियों, विद्यार्थियों और उनके परिवारजनों द्वारा प्रस्तुत **सांस्कृतिक कार्यक्रम** के साथ हुआ, जिसने देशभक्ति, एकता और सामूहिक सहभागिता की भावना को जीवंत रूप से प्रदर्शित किया।

हरियाणा स्थित आईसीएआर–केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, रोहतक केंद्र में अत्यंत उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण समारोह से हुआ, जिसे डॉ. एम. ए. पठान, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी (ओआईसी), आईसीएआर-सीआईएफई, रोहतक केंद्र द्वारा संपन्न किया गया। इसके पश्चात **राष्ट्रगान का गायन** किया गया। ध्वजारोहण समारोह के बाद ओआईसी एवं अन्य कर्मचारियों ने संक्षिप्त संबोधन दिया, जिसमें स्वतंत्रता दिवस के महत्व तथा देश की प्रगति और विकास में योगदान देने के लिए नागरिकों के दायित्वों पर प्रकाश डाला गया। समारोह के दौरान केंद्र के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए । कार्यक्रम में केंद्र के कर्मचारियों, विद्यार्थियों तथा अन्य संबद्ध सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। समारोह में कुल 75 व्यक्तियों ने सहभागिता की, जिसमें 60 पुरुष एवं 15 महिलाएँ शामिल थीं। समारोह का समापन सकारात्मक एवं देशभक्तिपूर्ण वातावरण में हुआ। सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता, वैज्ञानिक उत्कृष्टता तथा राष्ट्र सेवा के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

आईसीएआर–सीआईएफई, कोलकाता केंद्र में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। प्रातः 9:00 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके पश्चात राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" का गायन किया गया। केंद्र के प्रमुख डॉ. टी. के. घोषाल ने उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित किया। इसके बाद वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने विचार एवं संबोधन प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

भाकृअनुप-सीआईएफई, काकीनाडा केंद्र में 80वां स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. कार्तिरेड्डी स्यामाला, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी, भाकृअनुप-सीआईएफई, काकीनाडा केंद्र द्वारा ध्वजारोहण किया गया, जिसके बाद राष्ट्रगान का गायन हुआ। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया, जिनके त्याग और संघर्ष से देश को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। अपने संबोधन में डॉ. कार्तिरेड्डी स्यामाला ने कहा कि स्वतंत्रता केवल एक अमूल्य विरासत नहीं है, बल्कि इसे आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित और सशक्त रूप में पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कर्मचारियों से अपने ज्ञान एवं विशेषज्ञता का उपयोग सतत मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि तथा पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया। डॉ. मुरलीधर पी. आंडे ने अपने संबोधन में विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में युवाओं, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से वैज्ञानिक ज्ञान को व्यावहारिक समाधानों में परिवर्तित करने तथा समर्पण और टीम भावना के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में काकीनाडा केंद्र के सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आईसीएआर–सीआईएफई, मोतीपुर केंद्र ने 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। प्रातः 9:00 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके पश्चात राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" का गायन किया गया। केंद्र प्रभारी डॉ. मोहम्मद अक़लाकुर द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर संबोधन दिया गया। कार्यक्रम में केंद्र के अन्य वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। इस समारोह में सभी कर्मचारी, प्रशिक्षु, विद्यार्थी एवं उनके परिवारजनों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और राष्ट्रीय एकता एवं गौरव की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाया।

आईसीएआर–सीआईएफई, पॉवरखेड़ा केन्द्र में वैज्ञानिकों, तकनीकी एवं प्रशासनिक कर्मचारियों, सहायक कार्मिकों तथा उनके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति के साथ हुआ। डॉ. शशि भूषण, प्रभारी अधिकारी पॉवरखेड़ा केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। ध्वजारोहण समारोह पूर्ण सम्मान एवं गरिमा के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों के बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्र के विकास एवं प्रगति में योगदान देने वाले सभी महानुभावों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। इस अवसर पर डॉ. शशि भूषण ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता दिवस के महत्व तथा राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार, सतत मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण तथा ग्रामीण आजीविका के सुदृढ़ीकरण के महत्व पर विशेष जोर दिया।

आईसीएआर–सीआईएफई, काकीनाडा केंद्र के अंतर्गत फ्रेशवॉटर फिश फार्म, बालाभद्रपुरम में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। सुबह फार्म परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें 15 कर्मचारी, 6 सुरक्षा कर्मी एवं 4 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जो एकता एवं सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाता है। समारोह का शुभारंभ वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी डॉ. शमना एन. द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रीय गान का सामूहिक गायन किया गया, जिससे भारतीय संविधान तथा उसमें निहित मूल्यों के प्रति सम्मान प्रकट किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारियों ने एकता, अखंडता एवं प्रतिबद्धता बनाए रखने की सामूहिक शपथ ली तथा फार्म गतिविधियों के सुदृढ़ीकरण एवं संस्थान के विकास हेतु निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प दोहराया।

ICAR-CIFE Celebrates the 80th Independence Day of India with a Vision for Fisheries-led Viksit Bharat@2047

The ICAR-Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE), Mumbai, celebrated the 80th Independence Day of India with great enthusiasm and patriotic fervour. **Dr. N. P. Sahu,** Director, ICAR-CIFE, hoisted the National Flag and addressed the gathering comprising heads of divisions, administrative & finance officers, scientists, staff, students and family members.

While paying tribute to the sacrifices of the freedom fighters, Dr. Sahu highlighted India's remarkable journey of development and emphasised the importance of building a self-reliant, prosperous and **Viksit Bharat@2047**. He underlined that fisheries and aquaculture have a strategic role in this national vision through their contributions to nutritional security, employment generation, rural livelihoods, exports and the Blue Economy. Current national priorities place increasing emphasis on technology-driven aquaculture, stronger value chains, sustainable fisheries and enhanced seafood exports. Dr. Sahu emphasised that the future growth of fisheries and aquaculture will depend not only on increasing production but also on innovation, entrepreneurship, technology adoption and value addition. He stressed that promoting **aquapreneurship and fisheries start-ups** can be a game changer by converting research and innovative ideas into commercially viable solutions, generating

employment and creating new opportunities for youth and rural communities. Dr. Sahu particularly encouraged students and young professionals to become job creators and aquapreneurs rather than only job seekers, and called for stronger linkages among education, research, industry, start-ups, investors, fish farmers and government agencies. He noted that developing sector-oriented technologies and taking them from the laboratory to the field and market will be crucial for achieving a competitive, sustainable and inclusive fisheries sector by 2047.

He also reiterated ICAR-CIFE's commitment to strengthening "**Academic Excellence and Student Entrepreneurship**", enabling students to transform their research ideas into practical technologies, enterprises and start-ups. Such initiatives, he emphasised, will contribute to building a skilled, innovative and entrepreneurial workforce capable of addressing emerging challenges in fisheries and aquaculture. The Director called upon the faculty, scientists, staff and students to collectively contribute to the national vision of Viksit Bharat@2047 through excellence in education, research, innovation, entrepreneurship and societal impact. He assured that ICAR-CIFE would continue to work towards strengthening the fisheries and aquaculture sector and fulfilling the aspirations of the nation, while congratulating the CIFE community for its continued commitment and achievements. The celebration concluded with a cultural programme presented by the staff, students and family members of ICAR-CIFE, reflecting the spirit of patriotism, unity and collective participation.

The 80th Independence Day of India was celebrated with great enthusiasm and patriotic passion at the **ICAR-Central Institute of Fisheries Education Rohtak Centre, Haryana**, on 15 August 2026. The programme commenced with the flag-hoisting ceremony, which was performed by Dr. M. A. Pathan, Senior Scientist and Officer-in-Charge (OIC), ICAR-CIFE, Rohtak Centre, followed by the rendition of the National Anthem. Following the flag-hoisting ceremony, OIC and other staff members delivered brief remarks highlighting the significance of Independence Day and the responsibilities of citizens in contributing to the progress and development of the country. As part of the celebrations, the students of the Centre presented patriotic songs, which added vibrancy and enthusiasm to the programme. A total of 75 persons attended the Independence Day celebration, comprising 60 males and 15 females. The celebration concluded on a positive and patriotic note, with all participants reaffirming their commitment to the values of national unity, integrity, scientific excellence, and service to the nation.

ICAR–CIFE, Kolkata Centre celebrated 80th Independence Day on 15th August, 2026 with great enthusiasm and patriotic fervour. The National flag was hoisted at 9.00 am followed by National Song "Vande Mātaram". Dr. T. K. Ghoshal, Head addressed the staff of the centre. Independence Day speech was delivered by other scientists, staff and students. The programme ended with National Anthem.

Dr. Shashi Bhushan, Officer-in-Charge (OIC), **ICAR-CIFE Powarkheda Centre**, hoisted the National Flag, followed by the collective singing of the National Anthem. The flag-hoisting ceremony was conducted with due honour and dignity. On the occasion, tribute was paid to the brave freedom fighters for their sacrifices, and respect was expressed to all the great personalities who have contributed to the development and progress of the nation. He addressed the gathering and highlighted the significance of Independence Day and the responsibilities of every citizen in nation-building. He placed special emphasis on the importance of scientific research, innovation, sustainable fisheries and aquaculture, food and nutritional security, environmental conservation, and strengthening rural livelihoods.

The 80 th Independence Day was celebrated with great patriotic spirit and enthusiasm at **ICAR-CIFE, Kakinada Centre** on 15th August 2026. The ceremonial flag hoisting was performed by Dr. Karthireddy Syamala, Senior Scientist and Officer In-Charge, ICAR-CIFE, Kakinada Centre, followed by the National Anthem. The gathering paid tribute to the freedom fighters whose sacrifices made the nation's independence possible. In her address, Dr. Karthireddy Syamala reminded the gathering that independence is not only a precious legacy but also a responsibility that must be carried forward for future generations. She emphasized that staff to use their knowledge and expertise to contribute to sustainable fisheries and aquaculture and environmental protection. Dr. Muralidhar P. Ande, in his address, spoke about the vital role of youth, science and technology in realising the vision of Viksit Bharat@2047. He urged everyone to turn scientific knowledge into practical solutions and contribute to nation-building with dedication and teamwork. The programme witnessed enthusiastic participation from all staff members of ICAR-CIFE Kakinada Centre.

ICAR–CIFE, Motipur Centre celebrated the 80th Independence Day with great enthusiasm and patriotic fervour. The National Flag was hoisted at 9:00 a.m., followed by the singing of the National Song, “Vande Mataram.” Dr. Mohammad Akhlaqur, Officer-in-Charge of the Centre, addressed the gathering on the occasion of Independence Day. Other scientists, staff members, and students of the Centre were also present at the programme. All staff members, trainees, students, and their family members actively participated in the celebration and commemorated Independence Day with a strong sense of national unity and pride.

The Independence Day celebration was organized with great enthusiasm and patriotic fervour at the **Freshwater Fish Farm, Balabhadrapuram,** under **ICAR–CIFE, Kakinada Centre**. The programme was held in the morning at the farm premises, with the active participation of 15 staff members, 6 security personnel, and 4 students, reflecting a strong spirit of unity and collective responsibility.
The programme commenced with the hoisting of the National Flag by Dr. Shamana N., Senior Scientist and Officer-in-Charge. This was followed by the collective singing of the National Anthem, expressing respect for the Constitution of India and the values enshrined therein. At the conclusion of the programme, all staff members collectively pledged to uphold unity, integrity, and commitment and reaffirmed their resolve to work with dedication and sincerity towards strengthening the farm activities and contributing to the overall development of the Institute.